मूल्य 1 रु.
वर्ष: 9 - अंक : 270, मुंबई, सोमवार, 13 जनवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अब सीएए विरोधी...
कैंपेन की तैयारी
घर-घर जाकर 'जागरूकता' फैलाएगी कांग्रेस

पाटिल ने कहा, सीएए और एनआरसी के बारे में बहुत गलत जानकारी है। वास्तव में, यह भेदभावपूर्ण है और इसने देश को विभाजित किया है। यह भारत के संविधान पर हमला है। इन मुद्दों को इन ट्रेनिंग सेशन्स में विस्तार से समझाया जाएगा और फिर हमारे पदाधिकारी और कार्यकर्ता इसके बारे में जागरूकता फैलाएंगे।

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी ने जनजागरूकता अभियान शुरू किया है, वहीं कांग्रेस भी घर-घर जाकर इसके खिलाफ कैंपेन की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को घर-घर भेजकर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) तथा राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) से जुड़े पेंफलेट बांटेगी। (शेष पृष्ठ 5 पर)

24 जनवरी को बड़ी रैली करेगी कांग्रेस

पाटिल ने कहा, सीएए और एनआरसी के बारे में बहुत गलत जानकारी है। वास्तव में, यह भेदभावपूर्ण है और इसने देश को विभाजित किया है। यह भारत के संविधान पर हमला है। इन मुद्दों को इन ट्रेनिंग सेशन्स में विस्तार से समझाया जाएगा और फिर हमारे पदाधिकारी और कार्यकर्ता इसके बारे में जागरूकता फैलाएंगे।' पाटिल ने कहा कि आगामी 24 जनवरी को परेल के कामगर मैदान में सीएए के खिलाफ अगली रैली आयोजित की जाएगी।

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा- हर साल 5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है

(समाचार पृष्ठ 5 पर)

महाराष्ट्र में शिवसेना के 56 में से 35 विधायक असंतुष्ट हैं: राणे

संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने दावा किया है कि राज्य में शिवसेना के 56 विधायकों में से 35 पार्टी नेतृत्व से 'असंतुष्ट' हैं। फिलहाल बीजेपी के कोटे से राज्यसभा सदस्य राणे ने शनिवार रात को यहां एक कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सरकार को 'नकारा' सरकार करार देते हुए कहा कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने राज्य में सरकार बनाने में पांच सप्ताह से अधिक समय लिया। उन्होंने विश्वास जताया कि बीजेपी महाराष्ट्र में सत्ता में जरूर लौटेगी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सिंचाई घोटाले में बढ़ सकती हैं...
अजित पवार की मुश्किलें

न्यायिक जांच की मांग

संवाददाता

नागपुर। महाराष्ट्र में 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के राज्य के डेप्युटी सीएम अजित पवार को क्लीन चिट दिए जाने के मामले में याचिकाकर्ता जनमंच ने इस पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। एनजीओ जनमंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के एक वर्तमान जज या रिटायर जज से इस पूरे मामले की जांच कराई जाए। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

वसई: 7 जख्मी, 40 पर मामला दर्ज, 9 बाइक तोड़ी

वसई। वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के धानिवबाग इलाके में बुधवार देर रात आपसी रंजिश के चलते दो गुटों में भिड़ंत हो गई। दोनों गुटों के बीच हुई तलवार और पत्थरबाजी में 7 लोग गंभीर जख्मी हुए हैं। इस दौरान 9 बाइक तोड़ने के साथ एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। मौके पर पहुंची भारी पुलिस ने मामले को शांत कराया। जख्मियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है।

वालीव पुलिस ने दोनों गुटों के लगभग 40 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। सीनियर पीआई विलास चौगुले ने बताया कि बुधवार रात 10 बजे धानिवबाग स्थित हरवटेपाडा निवासी संजय राजेंद्र महतो उर्फ संजय बिहारी (36) के शिवसेना कार्यालय में नालासोपारा (पूर्व) डॉनलेन के रहने वाले संजय जोशी, अमित पेंढारी अमित जोशी, भावेश पटेल, मनोज चव्हाण, विजय ओमकारनाथ पाठक, राकेश यादव बिकेश यादव, किरण जोशी, सागर कांबले व 10 से 12 युवक जमीनी विवाद के चलते पहुंचे।

उस वक्त संजय ऑफिस में नहीं मिले, तो उन्होंने ऑफिस में तोड़-फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे, कांच, कुर्सी और अन्य सामान तोड़ दिया। जब इस बात का बिहारी को पता चला, तो वह अपने 20 से 25 लोगों के साथ वहां पहुंचे और दोनों गुट के लोग भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों गुटों में डंडे, तलवारें, पत्थरबाजी शुरू हो गई।

बीएमसी की आर्थिक स्थिति पर श्वेतपत्र की मांग

मुंबई। मुंबई बीएमसी की घटती कमाई के बीच आर्थिक स्थिति को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। आय और खर्च में तालमेल न होने के कारण मुंबई के विकास कार्यों पर बुरा असर पड़ने की संभावना है।

बीएमसी में विरोधी दल नेता रवि राजा ने कमिश्नर से मांग की है कि वह स्थायी समिति और गुट नेताओं की बैठक में श्वेत पत्र जारी करें, जिससे बीएमसी की आर्थिक स्थिति की वास्तविक जानकारी सामने आ सके। राज्य की सत्ता में साझीदार कांग्रेस के इस कदम से शिवसेना की मुश्किल बढ़ गई है। इससे शिवसेना-कांग्रेस में दूरी भी बढ़ सकती है। बीएमसी ने बैंकों में रखे गए पैसों में से कुछ निकालकर विकास कार्यों पर खर्च करने होंगे। अन्यथा कई बड़े प्रॉजेक्ट की राह मुश्किल हो सकती है।

आंदोलनकारियों को शांति का मार्ग दिखाना होगा: पवार

मुंबई। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को गेटवे ऑफ इंडिया पर कहा कि मोदी सरकार की नीतियों और दमनकारी रवैये को लेकर देश में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ आज देश भर में युवा सड़कों पर हैं लेकिन हमें अपने युवाओं को बताना होगा कि विरोध और आंदोलन शांति से किया जाना चाहिए। पवार ने कहा कि सरकार की दमनकारी नीतियों का जवाब महात्मा गांधी द्वारा बताए गए अहिंसक तरीकों से दिया जाना चाहिए।

पवार पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा की मुंबई से दिल्ली तक निकाली जा रही गांधी शांति यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए), राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) और जेएनयू की हिंसा के खिलाफ यशवंत सिन्हा यह गांधी शांति यात्रा निकाल रहे हैं।

शादी के कार्ड से दाऊद ने छोटा राजन को भेजा था मौत का न्योता

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन एजाज लकड़ावाला को पटना से मुंबई लाने वाली क्राइम ब्रांच टीम अब उसका डीएनए करवाने जा रही है। एजाज लकड़ावाला के बहाने अंडरवर्ल्ड से जुड़ी कई और भी जानकारियां सामने आ रही हैं। इनमें एक जानकारी गुरुवार को यह बाहर आई थी कि 1993 के मुंबई बम धमाकों से पहले दाऊद अपने प्रतिद्वंद्वी छोटा राजन का पोटला (मर्डर) करने वाला था।

अब एजाज ने पुलिस के सामने नए खुलासे किए हैं। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने एनबीटी को बताया कि 1993 के ब्लास्ट से पहले दाऊद के परिवार में किसी की दुबई में शादी थी। दाऊद ने उस शादी के लिए छोटा राजन को निमंत्रण कार्ड भेजा था। लेकिन उससे पहले उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। निमंत्रण कार्ड भेजने के बाद दाऊद के लोगों ने एक और डॉन संतोष शेट्टी से संपर्क किया।

अधिकारी ने बताया, 'संतोष से कहा गया कि जब शादी समारोह खत्म हो जाएगा, तो राजन का मर्डर कर दिया जाएगा। उसके बाद संतोष को राजन की लाश को ले जाने का कहा गया था। आदेश दिया गया था कि कत्ल के बाद वह राजन की लाश को

पत्थरों से बांधे और फिर संयुक्त अरब अमीरात में कही भी समुद्र में बहा दे। संतोष को इसमें असहज महसूस हुआ। उसने शादी में आने से मना कर दिया। उसके जरिए यह बात एजाज लकड़ावाला को पता चली। लकड़ावाला ने फिर छोटा राजन को अलर्ट किया।'

अधिकारी के अनुसार, उसके बाद राजन और लकड़ावाला दोनों ने दुबई छोड़ दिया और वाया-वाया बैंकॉक शिफ्ट हो गए। बाद में दाऊद ने राजन पर साल 2000 में और एजाज लकड़ावाला पर 2002 में कातिलाना हमला किया लेकिन दोनों ही डॉन इन हमलों में घायल होने के बावजूद बच गए। कुछ साल बाद दाऊद ने राजन के एक और करीबी बालू डोकरे का मर्डर करवा दिया।

क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी के अनुसार, रोहित वर्मा, बालू डोकरे और एजाज लकड़ावाला को छोटा राजन ने अपने ऑपरेशन टीम का हिस्सा बना रखा था। दाऊद का मानना था कि यदि यह तीनों खत्म हो जाएंगे, तो राजन का वजूद अपने आप खत्म हो जाएगा। लेकिन एजाज लकड़ावाला के कत्ल का दाऊद का मंसूबा कभी पूरा नहीं हो पाया।

क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी के अनुसार, 'हम यह एहतियात इसलिए बरत रहे हैं, ताकि भविष्य में अगर एजाज यह साबित करने की कोशिश करे कि वह एजाज है ही नहीं, तो हमारे पास उसका डीएनए सबसे बड़ा सबूत होगा।'

एजाज लकड़ावाला के डीएनए का मिलान उसके उसके भाई अकील और उसकी बेटी सोनिया से किया जाएगा। अकील को पिछले साल फरवरी में गिरफ्तार किया गया था, जबकि सोनिया को पिछले महीने मुंबई इंटरनैशनल पर फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ा गया था।

अवैध निर्माण पर चला हथौड़ा, बिल्डरों में हड़कंप

विरार। सोमवार से वसई विरार मनपा के प्रभाग (एफ) पेल्हार की ओर से चल रही तोड़क कार्रवाई मुहिम के दौरान कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया है। इस कार्रवाई से बिल्डरों में हड़कंप मच गया है। साथ ही लाखों रुपये का नुकसान हो गया है। यह कार्रवाई डॉ. कैलाश शिंदे के आदेश पर की जा रही है।

मनपा के तोड़क दस्ते ने रिचर्ड कंपाउंड, मनिचा पाडा, जाबरपाडा, वसई फाटा आदि क्षेत्र में यह कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि इस प्रभाग के सहायक आयुक्त की मिली भगत से यहां बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किया जा रहा था। हाल में ही इस प्रभाग में उसे हटाकर नए

सहायक आयुक्त की नियुक्ति की गई है।

जानकारी के अनुसार वसई विरार मनपा के प्रभाग (एफ) पेल्हार क्षेत्र में पिछले दिनों से बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हो रहा था।

नामी ब्रैंड के नाम पर बेचते थे पानी मिला दूध

मुंबई। क्राइम ब्रांच यूनिट-12 ने एक ब्रैंड के नाम पर दूध की नकल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दूध बनाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम यादैयाह पब्बू (44), रेणुका पब्बू (40), गणेश नारला (41) और मचिगिरि वडगाणी (40) हैं। सीनियर इंस्पेक्टर सागर शिवालकर को सूचना मिली थी कि गोरेगांव स्थित भगत सिंह नगर और हनुमान नगर में गैरकानूनी तरीके से दूध तैयार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उक्त जगहों पर छापा मार कर वहां से 219 लीटर दूध जब्त किया।

पनवेल मनपा ने 693 लावारिस वाहनों के विरुद्ध की कार्रवाई

नवी मुंबई। पनवेल मनपा ने बीते साल 693 लावारिस वाहनों के मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई की है। यह कार्रवाई खारघर, कलंबोली, कामोठे और पनवेल शहर कार्यक्षेत्र में की गई। कार्रवाई में मनपा ने 21 हजार रुपये बतौर आर्थिक दंड भी वसूला। मनपा इस साल में भी कार्रवाई जारी रखने वाली है। मनपा महासभा में महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम की धारा 230 व अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई जारी रखने की अनुमति मिल गई है।

पिछले साल की कार्रवाई में मनपा ने खारघर प्रभाग में 123 लावारिस खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की थी। इसी तरह कलंबोली परिसर में सर्वाधिक 381

वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। मनपा ने इन 381 वाहनों पर स्टीकर लगा रखा था। तय समय के बाद मनपा ने इनमें से 305 लावारिस वाहनों को वहां से हटा दिया। ऐसे ही इस प्रभाग में मनपा ने 3 वाहनचालकों से आर्थिक दंड भी वसूला। मनपा के दस्ते ने कामोठे प्रभाग में 179 लावारिस वाहनों में से 30 के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई कर 17,500 रुपये वसूल किए व अन्य वाहनों को हटा दिया। पनवेल शहर परिसर के आस-पास लावारिस खड़े 20 वाहनों को मनपा ने जब्त कर लिया, जबकि 7 वाहन चालकों से माफीनामा लिखाकर उन्हें छोड़ दिया गया। इससे कुल 3,500 रुपये का दंड वसूला गया। मनपा ने शहर के सभी वाहनचालकों व मालिकों से अपील किया है कि वे अपने वाहन किसी भी सार्वजनिक स्थल पर लावारिस न छोड़ें अन्यथा उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और उनके वाहनों को जब्त भी किया जा सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9769659975
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

किसानों से ज्यादा खुदकुशी करते हैं बेरोजगार, हर 2 घंटे पर 3 लोग देते हैं जान

मुंबई। कांदिवली के चारकोप स्थित रॉक रेवेन्यू अपार्टमेंट में रहने वाली 40 वर्षीय डिंपल वाडिलाल ने बेरोजगारी से तंग आकर 3 जनवरी को इमारत से कूदकर जान दे दी थी। बेरोजगारी से हताश होकर मौत को गले लगाने वाली वह अकेली नहीं थीं। साल 2018 में देशभर में उनकी तरह 12,936 बेरोजगारों ने आत्महत्या कर ली थी। 2018 में रोज औसतन 35 यानी हर दो घंटों में तीन लोगों ने जॉब न होने के गम में जान दी। यह आंकड़ा 2017 में 34 और 2016 में 30 लोगों की खुदकुशी का था। राष्ट्रीय अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ठरफइ) के आपराधिक रिकॉर्ड्स से यह खुलासा हुआ है।

ये आंकड़े बता रहे हैं कि किसानों से ज्यादा

बेरोजगार लोग खुदकुशी करते हैं। 2018 में देश में खुदकुशी के मामलों में 3.6 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। 2018 में आत्महत्या के 1,34,516 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2017 में 1,29,887 लोगों ने खुदकुशी की थी। 2018 में 12,936 लोगों ने बेरोजगारी से तंग आकर खुदकुशी की थी, जबकि इसी अवधि में 10,349 किसानों ने आत्महत्या की।

2017 में 12,241 लोगों ने बेरोजगारी की वजह से खुदकुशी की थी, जबकि इसी दौरान खेती-किसानी से जुड़े 10,655 लोगों ने आत्महत्या की। वहीं, 2016 में 11,379 किसानों और खेतिहर मजदूरों ने जान दी थी, जबकि इसी अवधि में 11,173 बेरोजगारों ने आत्महत्या की थी। बेरोजगारी की वजह से 2015 में 10,912 लोगों ने खुदकुशी की थी, जबकि उस साल किसानों की आत्महत्या के 12,602 मामले दर्ज किए गए थे।

महाराष्ट्रः शाही अंदाज में बाल ठाकरे का जन्मदिन मनाएगी शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में लंबे सियासी उठापटक के बाद सत्ता में आई शिवसेना अपने संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का जन्मदिन 23 जनवरी बहुत शाही अंदाज में मनाने जा रही है। यही नहीं पार्टी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सम्मान के लिए बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया है। इसमें करीब 50 हजार शिवसैनिक, सभी पार्टियों से जुड़े नेता, उद्योगपति, राज्य की नामचीन लोगों और फिल्म स्टार के शामिल होने का अनुमान है।

शिवसेना नेता और कैबिनेट मंत्री अनिल परब ने बताया कि यह कार्यक्रम 23 जनवरी को बीकेसी ग्राउंड पर होगा। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने अपने पिता से वादा किया था कि इस राज्य का अगला मुख्यमंत्री शिवसैनिक होगा और उन्होंने इसे पूरा किया है। परब ने कहा, 'हम वादा पूरा करने के लिए सीएम उद्धव ठाकरे को सम्मानित करेंगे और बाला साहेब के जन्मदिन से अच्छा और कोई मौका नहीं हो सकता है।'

परब ने दावा किया कि जो लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, उनके लिए यह कार्यक्रम एक प्रेरणा स्रोत होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए उद्धव ठाकरे एक प्रेरणा हैं और जिस तरह से उन्होंने अपने पिता से किए वादे को पूरा करने के लिए लड़ाई लड़ी है, वह हमारे लिए सीखने योग्य है।' परब ने कहा कि कई वरिष्ठ नेताओं को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है लेकिन उन्होंने नाम नहीं बताया।

राज्य के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कार्यक्रम के जरिए शिवसेना अपनी ताकत का अहसास कराएगी। बता दें कि लंबे समय तक चले सियासी उठापटक के बाद शिवसेना ने अपनी सहयोगी बीजेपी को छोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई है। गठबंधन सरकार बनने के बाद से ही बीजेपी शिवसेना पर हमलावर है।

मुंबई में एक गोदाम में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई। मुंबई के वाड़ी बंदर में एक गोदाम में शनिवार तड़के आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग में कोई हताहत नहीं हुआ। आग पी डी मेलो रोड के एक बायलेन स्थित गोदाम में देर रात करीब 1.15 बजे लगी। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों को आग बुझाने के लिए लगाया गया और एक घंटे के भीतर आग पर पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है।

फडणवीस कुछ वक्त अपना मुंह बंद रखेः शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस को सलाह दी है कि वह कुछ वक्त के लिए अपना मुंह बंद रखे। शिवसेना ने अपने मुखपत्र के संपादकीय में फडणवीस पर तंज कसा है कि हम फडणवीस का दर्द समझते है, उन्हें अपने जख्मों पर बाम लगाना चाहिए कुछ वक्त के लिए मुंह बंद रखना चाहिए।

शिवसेना ने यह टिप्पणी जेएनयू हिंसा के विरोध में गेटवे पर हुए प्रदर्शन के दौरान एक मराठी महिला द्वारा 'फ्री कश्मीर' का प्ले कार्ड दिखाए जाने के बाद फडणवीस द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को टारगेट कर की गई टिप्पणी के प्रतिउत्तर में की है। बता दें कि फडणवीस ने टिप्पणी की थी और पूछा था कि मुख्यमंत्री की नाक के नीचे इस तरह की राष्ट्र विरोधी गतिविधियां कैसे संभव हुईं।

इसका जवाब देते हुए शिवसेना ने मुखपत्र में लिखा है कि यह आरोप इतना तुच्छ है कि इससे विपक्ष

के नेता हंसी के पात्र बन गए। यह राज्य के लिए अच्छा नहीं है...विपक्ष के लिए हमें चिंता हो रही है।

टीचर पर बच्चों को परेशान करने का आरोप, परिजन ने की पिटाई

मुंबई। कांदीवली के एक नामचीन स्कूल में पीटी शिक्षक द्वारा दो छात्रों से बदसलूकी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बच्चों के परिजन ने बताया कि पीटी शिक्षक उनके बच्चों को जानबूझकर परेशान किया करते थे। उन्हें बिना मतलब छोटी-छोटी बातों के लिए शरीरिक रूप से सजा देते थे। दो दिन पहले ही आरोपी शिक्षक ने उनके बच्चों को बिना कारण मैदान में नंगे पाव घुटने के बल लेटकर चक्कर मारने का तुगलकी फरमान सुना दिए।

दोनों मासूम बच्चे काफी देर तक मैदान में चक्कर मारते रहे। इसके चलते दोनों बच्चों के घुटने गंभीर रूप से छिल गए, जिससे खून बहने लगे। पैरेंट्स ने बताया, 'इस बात की खबर उन्हें जब हमलोगों को बताई तो हमने स्कूल प्रशासन के समक्ष आरोपी शिक्षक को स्कूल से हटाने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।' स्कूल सूत्रों के अनुसार, आरोपी शिक्षक के खिलाफ परिजन ने न सिर्फ समता नगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है बल्कि स्कूल परिसर में जाकर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

इस बाबत स्कूल प्रबंधन समिति का कहना है शिकायत मिलने ओर उन्होंने आरोपी पीटी शिक्षक को स्कूल से हटा दिया है।

चुराने की कोशिश में निगल गया 1.1 लाख का नीलम, दो दिन बाद भी डॉक्टर उलझे

मुंबई। मुंबई में एक शख्स ने जूलरी की दुकान में चोरी की कोशिश की और प्लान फेल होता देख 1.1 लाख रुपये का नीलम निगल लिया। 35 साल का मोहम्मद हुसैन इनायत अली एक दुकान में पहले मंगलवार को गया और नीलम पर नजर गड़ाई। इसके बाद वह फिर दुकान पर गया और चोरी करने की कोशिश की लेकिन पकड़े जाने के डर से उसने नीलम निगल लिया और भाग गया।

स्टोर के सेल्समैन किशन शर्मा ने बताया कि हुसैन रविवार को और फिर मंगलवार को उनके स्टोर पर आया। पहले उसने कीमती पत्थर देखे और उनकी कीमतें देखीं। उसने कहा कि वह 1.1 लाख रुपये का 7.15 कैरेट

का नीलम खरीदना चाहता है और इसके लिए बाद में आएगा। जब मंगलवार को दोबारा पहुंचा तो फिर से वही नीलम देखने लगा। इस बार उसने नीलम चुराने की कोशिश की और जब उसने देखा के किशन ने उसे देख लिया है तो उसने नीलम निगल लिया और भाग गया।

शर्मा फौरन उसके पीछे भागा और शोर मचाने लगा जिससे आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने हुसैन को पुलिस के हवाले कर दिया। मुलुंड पुलिस के एक ऑफिसर ने कहा, 'केस दर्ज करने के बाद हम उसे अस्पताल लेकर गए। डॉक्टरों ने उसे दवा दी लेकिन नीलम बाहर नहीं आया। जेजे अस्पताल में किए गए एक्स रे में पता चला है कि नीलम उसकी आंतों में फंसा है।'

अजित पवार ने कहा- राज्य के स्कूलों में मराठी भाषा अनिवार्य होनी चाहिए, सरकार कर रही है तैयारी

पुणे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शुक्रवार को बारामती में कहा कि छात्रों में मराठी पढ़ने और लिखने की क्षमता कम हो रही है, इसलिए सरकार सोच रही है कि दसवीं कक्षा तक मराठी भाषा को स्कूलों में अनिवार्य कर दिया जाए। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद वह पहली बार बारामती आए थे। यहां आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने यह बात कही। अजित पवार ने कहा कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही है और वे बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं। लेकिन वे ठीक से मराठी पढ़- लिख नहीं पाते हैं। पवार ने यह भी कहा कि बहुत जल्द हम मराठी भाषा को स्कूलों में अनिवार्य विषय बनाने का मुद्दा उठाने जा रहे हैं, चाहे वह उर्दू-माध्यम हो, हिंदी-माध्यम हो या अंग्रेजी-माध्यम हो। हम सभी महाराष्ट्र में रहते हैं और हर बच्चे को ठीक से मराठी पढ़ना और लिखना चाहिए।

मातृभाषा को संरक्षित किया जाना चाहिए: पवार- अजित पवार ने कहा, कुछ छात्रों को लग सकता है कि 10 वीं और 12 वीं कक्षा में उनके अंकों को नुकसान होगा यदि उन्हें अतिरिक्त विषय का अध्ययन करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि केवल प्रतिशत के बारे में मत सोचो। हमारी मातृभाषा को संरक्षित किया जाना चाहिए।

परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा- हर साल 5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है

नागपुर। देश में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इस दुर्घटना में डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और करीब 3 लाख लोग घायल हो जाते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नितिन गडकरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय द्वारा लगातार कई कदम उठाए जाने के बाद भी मृतकों की संख्या में कोई कमी नहीं आ पाई है। गडकरी ने 'रोड सेफ्टी वीक' का शुभारंभ किया जो कि देश भर में 17 जनवरी तक चलेगा। गडकरी ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश के जीडीपी को दो फीसदी का नुकसान होता है। वहीं, इन दुर्घटनाओं में मारे जाने वालों में से 62% लोग 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के होते हैं। उन्होंने दुर्घटनाओं

की संख्या में 29% की कमी और हताहतों में 30% की कमी लाने के लिए उन्होंने तमिलनाडु सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरूकता और यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही पुलिस, आरटीओ, एनजीओ एवं अन्य के एकजुट प्रयास से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। गुजरात सरकार ने दिसंबर में शहरी इलाकों में हेलमेट पहनने की अनिवार्यता का नियम को खत्म कर दिया। हालांकि, स्टेट और नेशनल हाईवे अथवा एप्रोच रोड भी अनिवार्य है। राज्य में 2018 में हेलमेट न पहनने के कारण 1500 लोगों को जान गई। इससे पहले 2017 में हेलमेट न पहनने के कारण 6068 दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 2190 की मौत हुई थी।

2018 में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 0.46% बढ़ोतरी हुई: इससे पहले, पिछले साल नवंबर में परिवहन मंत्रालय ने ह्यभारत में सड़क दुर्घटनाएं-2018' नाम से रिपोर्ट जारी की थी जिसमें कहा गया था कि 2017 के मुकाबले 2018 में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 0.46% बढ़ोतरी हुई थी। इसमें मृतकों की संख्या में 2.37% बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, 2017 की तुलना में 2018 में घायलों की संख्या में 0.33% की कमी दर्ज की गई थी।

कन्नौज में सड़क हादसे में 20 लोग जिंदा जल गए: उत्तर प्रदेश के कन्नौज में शुक्रवार रात ट्रक से टक्कर के बाद एसी बस आग लग गई थी। हादसे में 20 लोगों के जिंदा जलने की खबर है। पुलिस के मुताबिक, बस में करीब 43 यात्री सवार थे। बचाए गए 25 में से 23 अस्पताल में भर्ती हैं। बस फरुर्खाबाद से जयपुर जा रही थी। हादसा इतना भयानक था कि फंसे यात्रियों को निकलने तक का मौका नहीं मिला था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अब सीएए विरोधी कैंपेन की तैयारी

इन पेंफलेट्स से कांग्रेस जनता को विस्तार से यह बताने की कोशिश करेगी कि सीएए और एनआरसी किस तरह से 'असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण' है। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को 'सरकार की नागरिकता नीतियों के बुरे प्रभाव' पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। शुक्रवार को पार्टी ने इसी क्रम में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया। इस सेशन में वकील मिहिर देसाई, ऐक्टिविस्ट फिरोज मिथिबोरवाला, वर्षा विद्या विलास, सलीम अल्वारे, एमए खालिद, बॉम्बे कैथोलिक सभा के डॉल्फिन डिसूजा, अखिल भारतीय परिवार के अमोल और जतिन देसाई शामिल रहे। इन सभी ने सीएए और एनआरसी के तकनीकी और कानूनी पहलुओं के अलावा भारतीय नागरिकों पर कानून के संभावित प्रभावों के बारे में नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया। शहर कांग्रेस कमिटी के प्रमुख एकनाथ गायकवाड़ ने कहा कि लोगों को नए कानून के बारे में विस्तार से बताने के लिए पार्टी जल्द ही एक अभियान शुरू करेगी। शहर कांग्रेस के एक पदाधिकारी भूषण पाटिल ने कहा, जागरूकता अभियान में ब्लॉक-स्तरीय बैठकें और डोर-टू-डोर कैंपेन चलाया जाएगा।' आपको बता दें कि सीएए के विरोध में कांग्रेस और एनसीपी ने अन्य दलों के साथ मिलकर हम भारत के लोग' नामक फ्रंट का गठन किया था। इस फ्रंट के बैनर तले पिछले महीने अगस्त क्रांति मैदान में एक विशाल प्रदर्शन भी किया गया था।

सिंचाई घोटाले में बढ़ सकती हैं अजित पवार की मुश्किलें

बांबे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में शुक्रवार को दायर की गई सुधार याचिका में एनजीओ के वकील फिरदौस मिर्जा ने जोर देकर कहा कि अजित पवार के बेहद प्रभावशाली पद डेप्युटी सीएम पर होने के नाते उन्हें जांच एजेंसी एसीबी पर अब भरोसा नहीं है। एसीबी सीधे राज्य सरकार के अंतर्गत काम करती है। एनजीओ जनमंच ने ही वर्ष 2012-13 में इस घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की थी। बता दें कि सिंचाई घोटाले के सामने आने के बाद राज्य की कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार विवादों के घेरे में आ गई थी। एनजीओ ने आरोप लगाया कि एसीबी बारामती से विधायक अजित पवार को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। एनजीओ के पूर्व अध्यक्ष शरद पाटिल ने दावा किया कि एसीबी और सरकारी तंत्र 'दस्तावेजों को बदलकर और न्यायपालिका को भ्रमित कर' अजित पवार को बचा रही है।

शिवसेना के 56 में से 35 विधायक असंतुष्ट हैं: राणे

उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास 105 विधायक हैं तथा शिवसेना के पास महज 56 और उसमें भी 35 'असंतुष्ट' हैं। राणे ने यह भी कहा कि किसानों का ऋण माफ करने का ठाकरे सरकार का वादा भी 'खोखला' है क्योंकि इस बात की कोई समय सीमा नहीं है कि इसे कब लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की औरंगाबाद यात्रा का जिक्र करते हुए राणे ने कहा कि वह किसी योजना की घोषणा किए बगैर या इस क्षेत्र को कोई फंड दिये बिना लौट आए। उन्होंने कहा, हम ऐसी सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? उन्हें सरकार चलाने के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। उन्होंने सरकार बनाने में पांच सप्ताह ले लिए जिससे कोई भी सोच सकता है कि वे इसे कैसे संचालित करेंगे। बीजेपी और राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हाथ मिलाने संबंधी अटकलों पर कुछ कहने से इनकार करते हुए उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि बीजेपी प्रमुख ही इस पर कुछ कहेंगे।

CMYK CMYK

जेएनयूः कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने कहा- हिंसा के पीछे केंद्र सरकार

कुलपति को हटाया जाए और उनके फैसलों की जांच हो

संवाददाता

कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने कहा है कि जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) कैंपस में 5 जनवरी को हुई हिंसा के पीछे सरकार का हाथ था। कमेटी ने यूनिवर्सिटी के कुलपति एम जगदीश कुमार को तत्काल हटाने की अनुशंसा की। समिति ने कुलपति के वित्तीय और प्रशासनिक फैसलों की पड़ताल करने और उनके खिलाफ आपराधिक जांच शुरू करने की सिफारिश भी की। रविवार को इस समिति ने सोनिया गांधी को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चार सदस्यों की समिति बनाकर जेएनयू हिंसा के बारे में विस्तार से जांच करने को कहा था। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुष्मिता देव, एनएसयूई के पूर्व अध्यक्ष हिबी ईडन, सांसद सैयद नसीर हुसैन और एनएसयूआई की पूर्व अध्यक्ष अमृता धवन की इस समिति ने जेएनयू पहुंचकर मामले की जांच की। समिति ने पांच अहम बिंदुओं के जरिए जेएनयू हिंसा से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी राय दी। इस बीच, दिल्ली पुलिस की एसआईटी ने हिंसा से जुड़े 7 और लोगों की पहचान करने की बात कही है।

प्रशासनिक फैसलों की भी पड़ताल हो- फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

- कुलपति एम जगदीश कुमार को तुरंत हटाया जाना चाहिए। 27 जनवरी, 2016 के बाद से अब तक हुई सभी नियुक्तियों की स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। इस दौरान लिए गए सभी वित्तीय और प्रशासनिक फैसलों की भी पड़ताल की जानी चाहिए।
- कुलपति के खिलाफ आपराधिक जांच की शुरू होनी चाहिए। 5 जनवरी को साबरमती और पेरियार हॉस्टल में हमले की साजिश में साथ देने वाले शिक्षकों के खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। सुरक्षा देने वाली कंपनी का अनुबंध तुरंत खत्म करके, उसके खिलाफ भी जांच की जानी चाहिए।
- जेएनयू में 5 जनवरी के घटनाक्रम की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हिंसा कैसे शुरू हुई।
- दिल्ली पुलिस कमिश्नर और अन्य पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। 5 जनवरी को छात्रों और शिक्षकों के इमरजेंसी कॉल के बावजूद, पुलिस एक्शन लेने में नाकामयाब रही। साथ ही शुरूआती सबूत यह दिखाते हैं कि उन्होंने कैंपस में आपराधिक तत्वों की मदद की।
- जेएनयू में फीस बढ़ोतरी को प्रशासन तुरंत वापस ले। छात्र संघ को निर्वाचित इकाई की मान्यता दी जाए, ताकि छात्रों और प्रशासन के बीच फीस और दूसरे मुद्दों को लेकर विचार–विमर्श किया जा सके।

जेएनयू में पिछले रविवार को हिंसा हुई थी: जेएनयू में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 5 जनवरी (रविवार) की रात को हिंसा हुई थी। नकाबपोशों ने छात्र-शिक्षकों को डंडे और लोहे की रॉड से बुरी तरह पीटा। वे ढाई घंटे तक कैंपस में कोहराम मचाते रहे। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत 9 छात्रों को पहचानने का दावा किया था।

चीफ जस्टिस बोले- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, यह सिर्फ काम तेज करेगा

न्याय में बेवजह की देरी रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे अदालतों में आर्टिफिशियल सिस्टम लागू करने की संभावनाएं खंगाल रहे हैं। उन्होंने शनिवार को बेंगलुरू में न्यायिक अधिकारियों के सम्मेलन में यह बात कही। अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मुकदमों के मद्देनजर उनकी टिप्पणी अहम है। चीफ जस्टिस ने साफ किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जजों की जगह नहीं लेगा। सिर्फ फैसले के दोहराव वाले, मैथेमेटिकल और मैकेनिकल हिस्सों के लिए इसकी मदद ली जा सकती है। सीजेआई ने कहा, कई बार जज भी मुझसे इस तकनीक को लाने पर सवाल कर चुके हैं। मैं साफ करना चाहता हूं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी जजों की जगह नहीं लेने जा रहा। यह इंसानी विवेक की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि अदालतों के लिए यह सुनिश्चित करना अहम है कि न्याय मिलने में बेवजह देरी न हो। इस मकसद से अदालतों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम विकसित करने की संभावनाएं हैं।

जल्दी न्याय मिले, यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी

हमारे पास जो भी प्रतिभाएं और कौशल हैं, उनका इस्तेमाल करके सुनिश्चित करना चाहिए कि एक उचित समय के भीतर लोगों को न्याय मिले। न्याय में देरी किसी भी व्यक्ति के कानून हाथ में लेने की वजह नहीं होनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने केस दायर किए जाने से पहले मध्यस्थता की व्यवस्था की भी जोरदार पैरवी की। उन्होंने कहा कि यह आज के वक्त की जरूरत है।

पहले एआई के इस्तेमाल का समर्थन कर चुके हैं चीफ जस्टिस

सीजेआई बनने से पहले जस्टिस बोबडे ने कहा था कि अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उच्च तकनीक जरूरी है। पिछले महीने नागपुर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में भी उन्होंने चर्चा के दौरान एआई की खूबियां गिनाई थीं। हालांकि, पूर्व सीजेआई आरएम लोढ़ा ने कोर्ट के कामकाज में एआई के इस्तेमाल पर चिंता जताई थी। उन्होंने चीफ जस्टिस बोबडे से अपील की कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को फैसलों की प्रक्रिया में शामिल करने से पहले इसके अच्छे और बुरे पहलुओं को देख लें।

भारत में ही नहीं विदेशों में भी है बेरोजगारी समस्या

हाल ही में हिंदी के एक प्रमुख समाचार पत्र में समाचार छपा है कि किसानों से ज्यादा खुदकशी करते है बेरोजगार यह सही है। पर इसके साथ यदि हम यह भी ध्यान करें कि बेरोजगारी केवल भारत में ही नहीं, बल्कि कई विकसित देशों की भी समस्या है। फ्रांस में बेरोजगारी दर 8.8 प्रतिशहालांकि यह दर चीन में 3.6 प्रतिशत और जापान में 2.6 प्रतिशत है। इसकी एक वजह यह है कि जापान और चीन में युवाओं का प्रतिशत भारत की तुलना में कम है। वैसे तो बेरोजगारी के कई कारण हैं, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि बेरोजगारी की समस्या की जड़ हमारी शिक्षा प्रणाली है, चाहे वह औपचारिक शिक्षा हो या अनौपचारिक। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत हर साल सबसे अधिक संख्या में इंजीनियर तैयार करने के लिए जाना जाता है, लेकिन सच्चाई यह भी है कि 82 प्रतिशत भारतीय इंजीनियरों के पास वह मूलभूत कौशल नहीं है जिसकी आज के तकनीकी युग में आवश्यकता है। हमारा आर्थिक विकास मॉडल कुछ महानगरों पर केंद्रित है। देश के चुनिंदा 8-10 महानगरों के अलावा अन्य इलाकों में नौकरियों के बहुत कम अवसर पैदा हो रहे हैं। इसकी वजह से छोटे शहरों से निकलने वाले युवाओं को भी अपनी पहली नौकरी महंगे महानगरों में ढूंढनी पड़ती है। बढ़ती बेरोजगारी का एक बड़ा कारण हमारे गांवों की स्थिति भी है। हमारा कृषि क्षेत्र मंदी के लंबे दौर से गुजर रहा है। 1993 से 2019 तक किसानों की आय में दो प्रतिशत से भी कम की सालाना बढ़ोतरी हुई है। हालांकि कृषि रोजगार का एक बड़ा जरिया है, लेकिन कृषि क्षेत्र में चल रही निरंतर मंदी के कारण वहां हो रही आत्महत्याए पहले ही चर्चा का विषय है। जाहिर है कि निराश युवा किसान भी बेरोजगारी के आंकड़ों में दिखेंगे। बेरोजगारी का एक अन्य कारण तकनीकी बदलाव भी है। पिछले तीन-चार दशकों में तकनीक के क्षेत्र में काफी तेज विकास हुआ है। आज अधिकतर कंपनियां अपने कॉल सेंटरों पर इंसान नहीं, कंप्यूटर का प्रयोग कर रही हैं। टैक्सी बुक करने से लेकर खाना और सामान मंगाने का कार्य एप से हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में ऑटोमेशन या एक रोबोट छह इंसानों का काम अकेले कर सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि 2030 तक विश्व भर में 80 करोड़ लोगों की नौकरियां रोबोट द्वारा ले ली जाएंगी। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों जैसे कि जर्मनी और अमेरिका में एक तिहाई कर्मचारियों की नौकरी रोबोट के हाथों में चले जाने का अनुमान है। यही प्रवृत्ति भारत और अन्य विकासशील देशों में भी दिखेगी। आज इस सवाल से दो-चार होने की जरूरत है कि

अशोक भाटिया

क्या हम बदलती तकनीक के साथ कदम से कदम मिलकर चल पा रहे हैं? ध्यान रहे कि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का आगमन हो चुका है। अनुमान है कि 2030 तक भारत में पेट्रोल या डीजल की कारें नहीं बिकेंगी। आने वाले वक्त में स्वचालित कारें आएंगी जिसमें स्टीयरिंग भी नहीं होगा। इसका असर यह होगा कि टैक्सी ड्राइवर का कार्य करने वाले लोगों की नौकरियां समाप्त हो जाएंगी। इसके साथ ही कम शिक्षा स्तर वाले लाखों मोटर मैकेनिकों के रोजगार पर भी संकट आ सकता है।

जाहिर है कि हमें वक्त के साथ हो रहे बदलाव के ढांचे में खुद को ढालना पड़ेगा। हमें युवाओं के कौशल पर ध्यान देना होगा और रोजगार के नए अवसर भी तलाशने होंगे। सबसे पहले हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को कौशल विकास पर केंद्रित करना होगा। इसके साथ ही नए प्रयोग करने पर भी ध्यान देना होगा। देश में लाखों शिक्षण संस्थान हैं, लेकिन सरकार केवल कुछ अच्छे संस्थानों पर ध्यान केंद्रित किए हुए है, जिसकी वजह से कौशल विकास का केंद्रीकरण हो गया है। यह आवश्यक है कि आइआइटी का स्थान विश्व में अच्छा हो, मगर यह अति आवश्यक है कि हमारे छोटे शहरों में स्थित आइटीआइ भी विश्व स्तरीय हों।

हैदराबाद में निकली तिरंगा यात्रा के बाद 26 जनवरी से पहले तिरंगों का स्टॉक हुआ खत्म

देश में सीएए, एनआरसी और एनपीआर के खिलाफ चल रहे आंदोलन में तिरंगे का रंग देखने को मिल रहा है। दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद के अलावा देश के हर कोने से लोग सीएए के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन तिरंगे के साथ कर रहे हैं। इसी विरोध प्रदर्शन के चलते तिरंगे की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। हैदराबाद के दुकानदारों का कहना है कि तिरंगे की बिक्री जितने पिछले 70 साल में नहीं हुई उससे ज्यादा पिछले कुछ दिनों में हुई है। दुकानदारों को उम्मीद है कि 26 जनवरी के चलते तिरंगे की ब्रिकी में और बढ़ोतरी होगी। 26 जनवरी को लेकर अलग-अलग वेराइटी के झंडे का ऑर्डर भी दिया जा रहा है। सीएए कानून संसद में पारित हुए कई दिन गुजर चुके हैं, लेकिन देश में इसके खिलाफ हो रहा आंदोलन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हैदराबाद में हजारों की भीड़ सीएए, एनआरसी और एनपीआर का विरोध करने के लिए निकली। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में हुए इस तिरंगा मार्च में सभी धर्मों के लोगों ने भागेदारी की। लोग सीएए के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। साथ ही हाथ में तिरंगा लेकर लोगों का हुजूम देशभर में सड़कों पर है। तिरंगे की डिमांड बाजार में इतनी ज्यादा बनी हुई है कि 26 जनवरी का स्टॉक पहले ही खत्म हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि ऐसा कभी नहीं हुआ। इसी के चलते दुकानदारों ने आने वाले गणतंत्र दिवस के लिए और ज्यादा स्टॉक का आर्डर दे दिया है।

छत्तीसगढ़ः नगर निगम चुनावों में कांग्रेस ने लहराया परचम, सभी 10 जगह दर्ज की जीत

राज्य में सरकार बनाने के बाद अब कांग्रेस ने नगर निगम चुनावों में भी जीत का डंका बजा दिया है। सभी दस जगहों पर कांग्रेस के महापौर चुने गए हैं। प्रदेश में पिछले महिने नगर निगम के चुनाव हुए थे। जिसमें नौ में कांग्रेस को जीत मिली है। वहीं शुक्रवार को कोरबा नगर निगम में भी कांग्रेस ने अपना महापौर बनवा दिया है। प्रदेश चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में 151 नगर निकायों के 2834 वार्डों के लिए वोटिंग हुई थी। इन चुनावों में 1283 वार्ड में कांग्रेस को वहीं 1131 वार्ड में बीजेपी को जीत मिली थी। इसके अलावा 420 वार्डों में अन्यों ने जीत दर्ज की थी। प्रदेश के नौ नगर निगम पर कांग्रेस

को जीत मिली थी। वहीं एक पर बीजेपी प्रत्याशी को ज्यादा वोट मिले थे। जिसमें जगदलपुर, अंबिकापुर और चिरमिरी नगर निगम में कांग्रेस ने अपने दम पर जीत हासिल की थी, जबकि रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, बिलासपुर, राजनांदगांव, और धमतरी नगर निगम में कांग्रेस को अन्यों का सहारा लेना पड़ा था। वहीं कोरबा में बीजेपी प्रत्याशी को ज्यादा वोट मिले थे लेकिन शुक्रवार को वहां पर भी कांग्रेस ने अपना परचम लहराया दिया। कोरबा नगर निगम में कुल 67 वार्ड हैं। इनमें से कांग्रेस ने 26 तो वहीं बीजेपी ने 31 वार्डों पर जीत हासिल की थी। इन दोनों के अलावा अन्यों ने ने यहां 10 वार्ड पर जीत दर्ज की थी। जिनकी मदद से कांग्रेस ने यहां पर भी अपना महापौर बना लिया। जिसके बाद कांग्रेस ने सभी दस नगर निगम पर अपना कब्जा जमा लिया है।

200 से अधिक शिक्षाविदों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, कहा- लेफ्ट विंग ने शिक्षण संस्थानों का माहौल बिगाड़ा

देश के अनेक यूनिवर्सिटी के कुलपतियों समेत 208 शिक्षाविदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने वामपंथी संगठनों पर कैंपस में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया है। चिट्ठी में लिखा गया है कि लेफ्ट विंग एक्टिविस्ट्स की गतिविधियों की वजह से कैंपस में पढ़ाई-लिखाई का काम बाधित होता है और इससे विश्वविद्यालयों का माहौल खराब हो रहा है। इन शिक्षाविदों ने आरोप लगाया है कि इन ग्रुप्स द्वारा कम उम्र के छात्रों को वैचारिक रूप से प्रभावित किया जा रहा है जिससे नए छात्र पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। पीएम मोदी को ये पत्र शनिवार को लिखा गया है। पीएम मोदी को लिखे इस पत्र में शिक्षाविदों ने कहा, हम शिक्षाविदों का समूह शिक्षण संस्थानों में बन रहे माहौल पर अपनी चिंताएं बताना चाहते हैं। हमने यह महसूस किया है कि शिक्षण संस्थानों में शिक्षा सत्र के रोकने और बाधा डालने की कोशिश छात्र राजनीति के नाम पर वामपंथ एक एजेंडे के तहत कर रहा है। हाल ही में जेएनयू से लेकर जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से लेकर जाधवपुर विश्वविद्यालय के माहौल में जिस तरह की गिरावट आई है वह वामपंथियों और लेफ्ट विंग एक्टिविस्ट के एक छोटे समूह की वजह से हुआ है। इन शिक्षाविदों ने कहा, इन संस्थानों में वामपंथियों की वजह से पढ़ाई-

लिखाई के कामों में बाधा पहुंची है। छोटी उम्र में ही छात्रों को रेडिकलाइज करने की कोशिश ना केवल उनके सोचने की क्षमता बल्कि उनकी कौशल को भी प्रभावित कर रही है। इसकी वजह से छात्र ज्ञान और जानकारी की नई सीमाओं को लांघने और खोजने की बजाय छोटी राजनीति में उलझ रहे हैं। विचारधारा के नाम पर अनैतिक राजनीति करके समाज और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ असहिष्णुता बढ़ाई जा रही है। इस तरह के प्रयासों से बहस को सीमित करके विश्वविद्यालयों और संस्थानों को दुनिया की नजरों से दूर करने की कोशिश की जा रही है। शिक्षाविदों ने कहा, विद्यार्थियों के विभिन्न समूह और वर्गों के बीच असहिष्णुता जन्म ले रही है बल्कि अध्यापकों और बुद्धिजीवियों के बीच भी खराब माहौल बन रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर अपनी बात स्वतंत्र रूप से रखने में बेहद मुश्किल हो रही है और ऐसे कार्यक्रम करना भी कठिन होता जा रहा है क्योंकि लेफ्ट विंग राजनीति सेंसरशिप थोप रही है। धरना प्रदर्शन हड़ताल और बंद वामपंथियों के प्रभाव वाले इलाके में आम हो गए हैं। वामपंथी विचारधारा से सहमत नहीं होने पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधना और सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना, तंग करना ऐसी घटनाओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, लेफ्ट विंग की राजनीति की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान गरीब छात्रों और मित्र समुदाय से आने वाले छात्रों को हुआ है। लेफ्ट विंग की वजह से वे पढ़ने-सीखने और बेहतर भविष्य बनाने के अवसरों से चूक रहें। वैकल्पिक राजनीति करने और अपने स्वतंत्र विचारों को रखने के मौके भी उनसे छीने जा रहे हैं।

CMYK CMYK

बरेली: बच्ची से गैंगरेप-मर्डर में 2 दोषियों को सजा-ए-मौत

मेरठ। बरेली में 12 साल की दलित बच्ची की गैंगरेप के बाद हत्या के मामले में विशेष अदालत (पॉक्सो एक्ट) ने दोनों आरोपितों मुरारीलाल और उमाकांत को फांसी की सजा सुनाई है। विशेष जज सुनील कुमार यादव ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था। शुक्रवार को सजा का ऐलान करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह बहुत जघन्य अपराध है।

सरकारी वकील रीतराम राजपूत ने बताया कि नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव में 29 जनवरी 2016 को 12 साल की दलित बच्ची खेत पर गई थी। वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो परिवारीजनों ने तलाश की। उन्हें एक खेत में बच्ची का शव बिना कपड़ों के

पड़ा मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर चोटों के 10 निशान पाए गए थे। दरिंदों ने बच्ची के प्राइवेट पार्ट में लकड़ियां भी घुसेड़ दी थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

तत्कालीन इंस्पेक्टर आरके सिंह ने 31 जनवरी 2016 को आरोपित मुरारीलाल को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया था। पुलिस के मुताबिक मुरारीलाल (24) और उसके साथी उमाकांत (32) ने बच्ची के साथ पहले गैंगरेप किया।

लड़की ने अपने मां-बाप से शिकायत करने की धमकी दी तो गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। तमाम पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने दोनों दोषियों को फांसी की सजा सुना दी।

बता दें कि दिल्ली के निर्भया गैंगरेप मामले में अदालत ने चारों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने डेथ वॉरंट जारी कर दिया है और फांसी देने के लिए 22 जनवरी की तारीख तय की गई है।

शिशिर त्रिपाठी हत्याकांड: फरार चल रहे चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में अधिवक्ता शिशिर त्रिपाठी की हत्या के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब के नशे में हुए विवाद में उन लोगों ने अधिवक्ता को मारा-पीटा था, जिससे उसकी मौत हो गई। सीओ कृष्णानगर अमित कुमार राय ने बताया कि अधिवक्ता शिशिर की हत्या के मामले में शुक्रवार की शाम पुलिस की टीम ने डीआरएम पुलिया के पास नामजद आरोपी दामोदरनगर निवासी शुभम यादव, गुलाम मुस्तफा, धीरज और प्रेमनगर निवासी मंजीत उर्फ रॉबिन को गिरफ्तार किया।

पूछताछ की गई तो आरोपियों ने बताया कि मंगलवार की देर रात शिशिर उन लोगों के पास आया और उलटा-सीधा कहने लगा। उन लोगों ने शिशिर की इसी बात से नाराज होकर उसको पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। मारपीट की इस घटना में शिशिर की मौत हो गई। शिशिर की हत्या के मामले में गिरफ्तार मंजीत का नाम परिवार वालों ने बाद में पुलिस को बताया था।

अतिरिक्त प्रभारी कृष्णानगर कोतवाली राम सुधर यादव ने बताया कि इस मामले में अभी जांच कर रही है और

अगर और भी नाम सामने आए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। आरोपित मंजीत के पिता रेलवे में हैं, जबकि शुभम के पिता सेना से सेवानिवृत्त हैं। पुलिस इस मामले में अभी कुछ और लोगों से पूछताछ भी कर रही है।

कृष्णानगर के स्नेहनगर इलाके में अधिवक्ता शिशिर त्रिपाठी को बीते सात दिसंबर की देर रात दामोदरनगर इलाके में आधा दर्जन लोगों ने लाठी-डंडे, ईंट, पत्थर और ब्लेड से हमला कर दिया था। घायल शिशिर की इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई थी। इस मामले में शिशिर के परिवारीजनों ने आरोप लगाया था कि वीआईपी रोड मुर्दहिया के पास मादक पदार्थ के अवैध कारोबार का विरोध और पुलिस से शिकायत के चलते इस धंधे से जुड़े लोगों ने शिशिर की हत्या कर दी थी।

जेएनयू में बने पुलिस स्टेशन, बीएसएफ और सीआरपीएफ की हो तैनाती: सुब्रमण्यन स्वामी

अहमदाबाद। बीजेपी के फायरब्रैंड नेता और राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंदर पुलिस स्टेशन बनाने और बीएसएफ तथा सीआरपीएफ तैनात करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जेएनयू को दो साल बंद करके जरूरी 'सफाई अभियान' चलाया जाए और इसके बाद इसे फिर से खोला जाए। बीजेपी नेता ने जेएनयू का नाम सुभाष चंद्र बोस विश्वविद्यालय करने की भी मांग की।

अहमदाबाद के इंडस यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम के बाद स्वामी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'सुरक्षा का मतलब हरेक कैंपस के अंदर पुलिस स्टेशन बनाया जाना है। आज आपको पुलिस बुलाना पड़ता है जिसमें काफी समय लग जाता है। देश में विश्वविद्यालयों के अंदर पुलिस स्टेशन का होना बहुत जरूरी है। यह केवल जेएनयू के लिए नहीं है लेकिन हमें इसकी शुरूआत जेएनयू से करनी चाहिए।'

स्वामी ने बताया कि अमेरिका के हरेक विश्वविद्यालय के अंदर एक पुलिस स्टेशन है।

उन्होंने कहा, 'जेएनयू के लिए केवल दिल्ली पुलिस न हो बल्कि वहां पर बीएसएफ और सीआरपीएफ का एक कैंप भी होना चाहिए।' अपने भाषण के दौरान स्वामी ने जेएनयू को लेकर निशाना साधा और कहा कि इस यूनिवर्सिटी को भंग करके 'सफाई अभियान' चलाया जाए और उसे फिर से शुरू किया जाए।

बीजेपी सांसद ने कहा, 'जेएनयू को जब तक 2 साल के लिए बंद नहीं किया जाता तब तक यह विश्वविद्यालय सुधरेगा नहीं। वहां अशिक्षित और अयोग्य लोगों को जानबूझकर कांग्रेस के शासन के दौरान प्रवेश दिया गया। जेएनयू में हॉस्टल का किराया 10 रुपये है और वहां 35 से 40 साल तक के लोग छात्र हैं और हर साल फेल होते हैं। जेएनयू के छात्रों का बस एक ही उद्देश्य है कि दिल्ली में कैंपस के अंदर रहने का एक ठिकाना मिल जाए और वे पूरे देश में घूम-घूमकर समाजवादी कार्यक्रमों में हिस्सा लें।'

उन्होंने कहा, 'जेएनयू में ज्यादातर प्रफेसर भी वामपंथी हैं। जो वामपंथी नहीं है, उसे रोक दिया जाता है। इस तरह की कई घटनाओं के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। एक बड़ा कदम उठाते हुए इस विश्वविद्यालय को दो साल के लिए बंद कर दिया जाए।

जेएनयू के अच्छे स्टूडेंट्स को दिल्ली यूनिवर्सिटी और आंबेडकर यूनिवर्सिटी में ऐडमिशन दे दिया जाए। बचे हुए लोगों को हटाकर जरूरी सफाई अभियान चलाया जाए और उसके बाद विश्वविद्यालय को खोला जाए।' उन्होंने इस विश्वविद्यालय का नाम नेताजी सुभाषचंद्र बोस विश्वविद्यालय करने की मांग की।

केरल के मरादू में देखते ही देखते ताश के पत्ते की तरह ढहा दी गई बहुमंजिला इमारत

कोच्चि। केरल के कोच्चि शहर में समुद्र किनारे मरादू इलाके में बने दो अवैध इमारतों एच2ओ होली फेथ अपार्टमेंट परिसरों को गिराए जाने की प्रक्रिया शनिवार सुबह में शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने पहली इमारत को विस्फोटक लगाकर गिरा दिया। पूरी इमारत ताश के पत्तों की तरह से ढह गई और पूरा इलाका धूल और मलबे के गुबार से भर गया। दूसरी अवैध इमारत को भी गिराने की प्रक्रिया जारी है।

इससे पहले इन इमारतों को शनिवार को सुबह खाली करा लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि एनार्कुलम जिला कलेक्टर ने क्षेत्र में स्थित दो रिहायशी परिसरों में निषेधाज्ञा लगा दी गई है जो सुबह आठ बजे से प्रभावी हो गई। उन्होंने कहा कि 200 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की निकासी कार्य पूरा हो गया है और परिसर के आसपास की सड़कों पर यातायात को विनियमित किया गया है।

शीर्ष अदालत के आदेशानुसार तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) मानदंडों का उल्लंघन कर बनाए गए दोनों अपार्टमेंटों को शनिवार सुबह 11 बजे और 11:05 बजे गिराया जाएगा। अन्य अपार्टमेंटों को रविवार को गिराया जाएगा। कुल 343 फ्लैटों वाले परिसरों को विस्फोट कर गिराया जा रहा है और इसके लिए बुधवार को ही अपार्टमेंटों में विस्फोटक ले जाने का काम पूरा कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि आसपास इमारतों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना अपार्टमेंट गिराने का काम पूरा किया जाएगा।

दोस्त को वीसी बनवाने के लिए राज्यपाल को अमित शाह बनकर फोन करने वाला विंग कमांडर अरेस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस की एसटीएफ ने शुक्रवार को भारतीय वायु सेना के एक विंग कमांडर और उसके एक डॉक्टर मित्र को गिरफ्तार किया है। विंग कमांडर ने अपने डॉक्टर मित्र को प्रदेश के चिकित्सा विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्त कराने के लिये राज्यपाल को कथित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह बनकर फोन किया था।

मध्यप्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक अवस्थी ने बताया कि विंग कमांडर कुलदीप वाघेला और उनके एक डेंटिस्ट दोस्त डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। वाघेला ने शुक्ला को कुलपति नियुक्त करने के लिये राज्यपाल को

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रुप में फोन कर सिफारिश की थी। उन्होंने बताया कि दोनों की आयु 35 से 40 वर्ष के बीच है। वाघेला फिलहाल भारतीय वायु सेना के मुख्यालय, दिल्ली में पदस्थ हैं जबकि शुक्ला भोपाल के निवासी हैं। अवस्थी ने बताया कि वाघेला पूर्व में मध्यप्रदेश के राज्यपाल राम नरेश यादव के कार्यकाल में तीन वर्ष तक उनके एडीसी के रुप में यहां राजभवन में पदस्थ रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि भोपाल के डेंटिस्ट चंद्रेश कुमार शुक्ला जबलपुर स्थित प्रदेश के चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति पद के इच्छुक थे और उन्होंने इसके लिये आवेदन किया था। शुक्ला का तीन जनवरी को इसके लिये साक्षात्कार हो चुका था। एडीजी ने बताया कि शुक्ला ने अपने मित्र वाघेला को बताया कि वह कुलपति बनना चाहते हैं और कोई वरिष्ठ नेता उनके नाम की सिफारिश राज्यपाल से करे तो यह काम हो सकता है। अवस्थी ने बताया कि इसके बाद दोनों दोस्तों साजिश रची और वाघेला ने गृह मंत्री अमित शाह बनकर राज्यपाल को फोन पर बात कर शुक्ला को कुलपति बनाने की सिफारिश की। इस फोन कॉल में डॉक्टर शुक्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह के पीए के रुप में बात की। उन्होंने बताया कि इस फोन कॉल के बाद राजभवन के अधिकारियों को संदेह हुआ और इसकी जांच एसटीएफ को सौंपी गई। एसटीएफ की जांच में इस धोखधड़ी का खुलासा हुआ और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कुलधराः एक शाप...और 200 साल बाद भी नहीं बस सका भारत का यह गांव

राजस्थान के जैसलमेर से 18 किलोमीटर दूर पर एक ऐसा गांव है, जो करीब दो सौ सालों से उजड़ा हुआ है। कभी 600 से अधिक परिवारों से आबाद रहा यह गांव आज वीरान क्यों है? इसकी कहानी काफी दिलचस्प है। आज रात क्या, दिन में भी कोई इंसान इस गांव के खंडहर बन चुके घरों में जाने से डरता है। यहां हम आपको इसकी पूरी कहानी बता रहे हैं।

पालीवाल ब्राह्मणों ने बसाया था गांव

कुलधरा गांव राजस्थान राज्य में जैसलमेर से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कहते हैं कि इस गांव को 12वीं शताब्दी के अंतिम दौर में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा बसाया गया था।

कोई नहीं जानता कहां गए लोग

साल 1825 से इस गांव कोई नहीं रहता है। इस गांव के निवासी रातोंरात इस स्थान को छोड़कर कहां चले गए, इस बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं मिलती है।

क्यों वीरान हुआ गांव

जानकारों की मानें तो, जैसलमेर रियासत के दीवान सालिम सिंह को एक पालीवाल ब्राह्मण की बेटी से प्रेम हो गया था और वह उससे विवाह करना चाहता था। गांव वालों के नहीं मानने पर सालिम ने लगान और टैक्स काफी बढ़ा दिया था, जिससे परेशान होकर गांव वाले रातोंरात गांव छोड़कर चले गए, लेकिन उन्हें किसी ने जाते हुए नहीं देखा।

गांव को मिला है शाप

गांव के लोग कहां गए, किसी को नहीं पता लेकिन माना जाता है कि पालीवाल ब्राह्मण जब गांव छोड़कर जा रहे थे तब उन्होंने गांव को शाप दिया था। 1825 में गांव से जाते समय ब्राह्मणों ने शाप दिया था कि इस जगह पर जो भी बसेगा, बर्बाद हो जाएगा। तब से यह गांव दोबारा कभी नहीं बस सका।

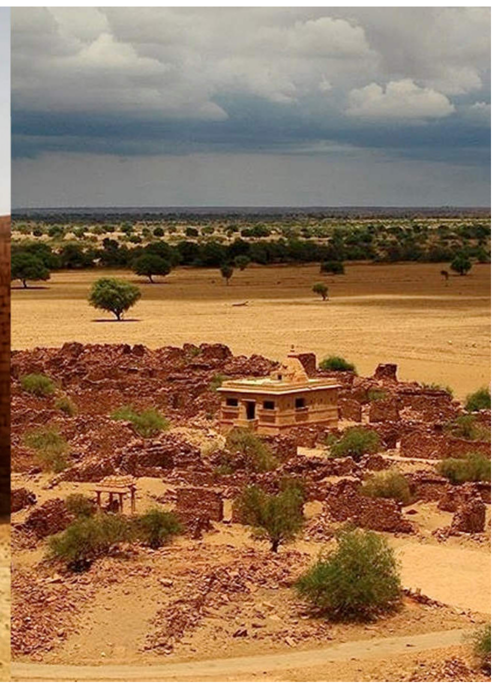

खंडहर देते हैं खुशहाली की गवाही

यह गांव कभी पूरी तरह खुशहाल और बसा हुआ था, इस बात की गवाही यहां के खंडहर देते हैं। करीब दो सदी से अधिक समय से सूना पड़ा यह गांव, उस दौर के घरों के खंडहर आज भी संजोए हुए है।

600 से अधिक घरों के अवशेष

गांव में 600 से ज्यादा घरों के खंडहर, एक मंदिर, आधा दर्जन छतरियां मौजूद हैं। वहीं पानी की व्यवस्था के लिए यहां लगभग एक दर्जन कुओं के अलावा एक बावली और चार तालाब हैं।

घरों में मौजूद हैं तहखाने

आर्थिक रूप से संपन्न पालीवाल ब्राह्मण व्यापार और खेती करते थे। इस गांव के घरों के अंदर के हिस्सों में तहखाने बने हुए हैं। माना जाता है कि इन तहखानों में गांव वाले अपनी जूलरी, नकदी और बाकी कीमती सामान रखते होंगे।

सिल्क रूट से करते थे व्यापार

इतिहासकारों की मानें, तो पालीवाल सिंध(अब पाकिस्तान में) रियासत और दूसरे देशों से पुराने सिल्क रूट के जरिए अफीम, नील, अनाज, हाथी दांत से बनी जूलरी और ड्राई फ्रूट्स का व्यापार करते थे।

हॉन्टेड टूरिज्म स्पॉट बन चुका है गांव

भारतीय पुरातत्व विभाग ने दोनों स्थानों को संरक्षित स्मारक घोषित किया हुआ है। अब यह गांव एक टूरिस्ट प्लेस बन चुका है। साथ ही कई फिल्मों की शूटिंग भी यहां होती है।

आने का सबसे अच्छा समय

दिसंबर से लेकर फरवरी तक यहां मौसम काफी अच्छा होता है, इसलिए यहां जाने का यह सबसे अच्छा समय है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। लेटलतीफी कार्यालय में भारी पड़ सकती है। किसी से पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें।

सिंह
नौकरी में पदोन्नति के साथ स्थानांतर के योग बन रहे हैं। नए दायित्व को लेकर खुशी मिल सकती है। कोई पुरानी बीमारी अचानक उभर सकती है।

धनु
कार्यालय में कुछ परेशानी आ सकती है। आपकी लापरवाही से अधिकारी के आक्रोश का शिकार हो सकते हैं। अपने दायित्व को ठीक तरह से निभाएं।

वृष
मौसम की प्रतिकूलता स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है इसलिये सचेत रहें। व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। धार्मिक आयोजनों में सक्रियता से हिस्सा लेंगे।

कन्या
कहीं से नौकरी को लेकर आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है लेकिन अपने विवेक से सोच समझकर ही निर्णय लें। व्यापार में लाभ के अवसर मिल रहे हैं।

मकर
आपका मनमाना रवैया दूसरों को परेशानी में डाल सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है। मौसम का परिवर्तन स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है।

मिथुन
कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है इसलिये सावधान रहें। आर्थिक मसलों को पारदर्शिता से निपटाएं। व्यापार में लाभ की संभावना है।

तुला
मेहमानों के आगमन से घर में खुशी का माहौल रहेगा। कोई अपना ही आपको भ्रमित कर सकता है इसलिये सतर्क रहें। बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व दें।

कुंभ
परिवार के लोगों के साथ धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय भी है। बच्चों के शैक्षणिक भविष्य की चिंता परेशान कर सकती है।

कर्क
कोई अनचाहा कार्य आपको परेशानी में डाल सकता है। अपने कार्य के प्रति लापरवाही ठीक नहीं है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे।

वृश्चिक
अविवाहितों को विवाह के मौके मिल सकते हैं। परिवार में खुशी का क्षण उपस्थित हो सकता है। मौसमी बीमारियों से कुछ परेशानी हो सकती है।

मीन
दिन शुभ रहेगा। आपकी सक्रियता और कार्यशैली लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सकती है। अभी कहीं यात्रा का कार्यक्रम बनाने से बचें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है।

वीकेंड पर बच्चों के साथ मस्ती के लिए ये हैं बेस्ट जगहें

दिल्ली-एनसीआर में कई ऐसी जगहें हैं, जहां बच्चों को खूब मजा आएगा। आप बच्चों के साथ यहां घूमने जा सकते हैं। ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में आज हम आपको बता रहे हैं:

नेशनल रेल म्यूजियम

आमतौर पर बच्चों को ट्रेन बहुत पसंद होती है। ऐसे में उन्हें यह जगह पसंद जरूर आएगी। यह म्यूजियम 10 एकड़ में फैला हुआ है। यहां रेल के कई मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही, ट्रेन की सवारी का मजा भी आप यहां ले सकते हैं। इस अजूबे पार्क में 90 टन कबाड़ से दुनिया के 7 अजूबों के मॉडल तैयार किए गए हैं। इनमें एफिल टॉवर, पीसा की मीनार, मिस्र का पिरामिड, ताजमहल आदि हैं। शाम में 4 बजे से रात 8 बजे तक रोशनियों के बीच इन्हें देखना ज्यादा अच्छा लगता है।

चिल्ड्रंस पार्क

इस पार्क में तरह-तरह की राइड हैं। साथ ही, एंफी थियेटर और जंगल बुक थिएटर भी हैं। अच्छी बात यह है कि यह इंडिया गेट के पास ही है, यानी आप दोनों जगह घूमने का प्लान एक साथ बना सकते हैं।

नैशनल डॉल म्यूजियम

मशहूर कार्टूनिस्ट शंकर पिल्लई ने इस म्यूजिम की स्थापना

की थी। यहां देश-दुनिया की तमाम डॉल्स हैं जिनमें से 150 भारतीय हैं।

प्रगति मैदान गेट नंबर-1 के पास भैरों रोड पर स्थित साइंस सेंटर में साइंस से जुड़ीं ढेरों दिलचस्प चीजें हैं। यहां बच्चों को साइंस की मुश्किल चीजों को बेहद आसानी से समझाया गया है।

कोहली-शास्त्री के साथ बीसीसीआई, 5 दिन का टेस्ट मैच बनाए रखने के पक्ष में

नई दिल्ली। आईसीसी की क्रिकेट समिति चार दिन के टेस्ट मैच को लेकर चर्चा करेगी, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि बीसीसीआई इस पर राजी नहीं होगा, क्योंकि भारतीय बोर्ड ने कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री के साथ जाने का फैसला किया है और ये दोनों चार दिन के टेस्ट मैच का विरोध कर चुके हैं।

कोच और कप्तान साफ तौर पर कह चुके हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट के पारंपरिक परिवेश को बनाए रखने के पक्ष में हैं और नहीं चाहते कि इसे पांच दिन से घटाकर चार दिन का किया जाए और यह अपनी चमक खो बैठे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि बीसीसीआई 12 जनवरी को मुंबई में होने वाले बोर्ड के अवॉर्ड समारोह के दौरान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से इस पर चर्चा जरूर करेगा, लेकिन बोर्ड साफ तौर पर कप्तान और कोच के समर्थन में है।

अधिकारी ने कहा, 'देखिए यह सही है कि आप इस मुद्दे पर सीए, ईसीबी और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ बात करें, और हम ऐसा ही करेंगे। लेकिन इस समय जैसी चीजें दिख रही हैं, हम कप्तान और कोच के साथ खड़े हुए हैं और टेस्ट मैच को पांच दिन से चार दिन का करने में हमें कोई तुक नजर नहीं आता।'

अधिकारी ने कहा, 'सिर्फ हमारे कप्तान और कोच इसका विरोध नहीं कर रहे हैं। आप इंग्लैंड के कप्तान जो रूट, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस के बयान भी इस मसले पर सुन चुके होंगे। यह कम रैंक वाली टीमों के लिए एक विकल्प हो सकता है, लेकिन निश्चित तौर पर दो बड़ी टीमों के लिए नहीं।। परंपरा से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।'

कोहली ने गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन में चार दिन के टेस्ट मैच का विरोध किया था। कोहली ने कहा था, 'आप टेस्ट क्रिकेट में ज्यादा से ज्यादा डे-नाइट टेस्ट का बदलाव कर सकते हैं। आप फिर सिर्फ आंकड़ों और नंबर की बातें कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मंशा सही नहीं होगी, क्योंकि इसके बाद आप तीन दिन के टेस्ट मैच की बात कहने लगेंगे। आप कहां रुकेंगे? इसके बाद आप टेस्ट क्रिकेट को खत्म करने की बात कहेंगे।'

शास्त्री ने भी इसके खिलाफ बोला और इसे बकवास बताया था। इन दोनों से पहले ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन, ग्लैन मैक्ग्रा, नाथन लियोन, दक्षिण अफ्रीका के वर्नोन फिलेंडर भी इसका विरोध कर चुके हैं।

'खेलो इंडिया' से पहले असम की तीरंदाज के गले में लगा तीर, दिल्ली रेफर

नई दिल्ली। असम की राजधानी गुवाहाटी में 10 जनवरी को 'खेलो इंडिया' यूथ गेम्स की शुरूआत होनी है। इसके लिए विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ी उत्साहित हैं और कड़े अभ्यास में जुटे हैं। इन्हीं में से एक खिलाड़ी को शायद यह नहीं पता होगा कि गेम्स की शुरूआत होने से ठीक पहले वह घायल होकर अस्पताल पहुंच जाएगी।

असम की 12 वर्षीय तीरंदाज शिवांगिनी गोहेन अभ्यास के दौरान गले में तीर लगने से घायल हो गई। गोहेन को उपचार के लिए दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार यह घटना उस समय हुई, जब वह खेलो इंडिया गेम्स से ठीक एक दिन पहले गुरुवार को

असम के डिब्रूगढ़ के छबुआ में अभ्यास कर रही थीं।

अभ्यास के दौरान अचानक एक तीर गोहेन की गर्दन में लग गया। आनन-फानन में तीरंदाज को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। समाचार एजेंसी के अनुसार डॉक्टर वी अग्रवाल ने इस संबंध में बताया कि शिवांगिनी गोहेन की गर्दन में तीर घुस गया था। गोहेन को प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली के एम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शिवांगिनी गोहेन को तत्काल एयरलिफ्ट कर दिल्ली लाया गया, जहां उपचार चल रहा है। बताया जाता है कि शिवांगिनी गोहेन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (रअक) की ट्रेनी हैं। साई के सूत्रों की मानें तो गोहेन को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गोहेन के उपचार का पूरा खर्च साई उठाएगा। इसमें एयर लिफ्ट कर गोहेन को दिल्ली लाए जाने का खर्च भी शामिल है। यह हादसा कैसे हुआ, इस संबंध में अभी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

बचकानी गलतियों की वजह से एटलेटिको से 3-2 से हारा बार्सिलोना

जेद्दा। स्पेनिश सुपर कप के एक बेहद रोचक सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड ने बार्सिलोना को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उसका सामना रीयल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी टीम के इस प्रदर्शन से निराश दिखे और कहा कि उनकी टीम बचकाना गलतियों की वजह से हारी।

किंग अब्दुल्लाह स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में बार्सिलोना की टीम निर्धारित समय से नौ मिनट पहले तक 2-1 से आगे थी और उसका जीत तय लग रहा था लेकिन इसके बाद एटलेटिको ने जोरदार वापसी की। अब मैड्रिड के दो दिग्गज क्लबों के बीच रविवार को फाइनल खेला जाएगा। मुकाबले के पांचों गोल दूसरे हाफ में हुए। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में कोके ने स्थानापन्न के तौर पर उतरने के 21 सेकेंड के बाद ही गोल करके एटलेटिको को बढ़त दिलाई।

इसके बाद मेसी (51वें मिनट) और एंटोनी ग्रीजमैन (62वें मिनट) के गोल ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई लेकिन एलवेरो मोराता (81वें मिनट) ने पेनाल्टी किक के जरिये गोल करके एटलेटिको को बराबरी पर ला खड़ा किया और फिर निर्धारित समय से चार मिनट पहले एंजेल कोरिया ने उसके लिए निर्णायक गोल दागा। इस मुकाबले के दौरान बार्सिलोना के दो गोल को ऑफ साइड होने की वजह से वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की मदद से रेफरी ने अयोग्य करार दिया। इस हार के साथ ही मौजूदा सत्र में रीयल और बार्सिलोना के बीच एक और एल क्लासिको देखने की उम्मीदें भी खतम हो गईं।

मेसी भड़के : हार के बाद मेसी ने कहा यह शर्मनाक है क्योंकि हम कुछ समय के लिए सुस्त पड़ गए और बचकानी गलतियां कीं। हमें मुकाबले को अपने पक्ष में खत्म करना चाहिए था। यह हमारे लिए झटका है क्योंकि हम बेहतर खेल रहे थे। साथ ही बार्सिलोना के मैनेजर ईर्नेस्टो वाल्वर्डे ने भी इस हार पर निराशा जाहिर की।

एएसबी क्लासिकः कैरोलिन वोज्नियाकी, सेरेना विलियम्स सेमीफाइनल में

ऑकलैंड। टॉप सीड महिला टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की सेरेना विलियम्स और चेक गणराज्य की कैरोलिन वोज्नियाकी ने शुक्रवार को एएसबी क्लासिक टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता विलियम्स ने क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की लॉरा सेइगमुंड को मात दी।

विलियम्स ने यह मैच एक घंटे 30 मिनट में 6-4, 6-3 से जीता। डब्ल्यूटीए की वेबसाइट ने विलियम्स के हवाले से लिखा है, ह्यमेरे लिए लड़ना अच्छा है। उनका खेल शानदार है और उन्होंने आगे रहते हुए कुछ अच्छे विनर्स लगाए। इसलिए यह आसान नहीं था। मुझे अपने खेल में सुधार करना पड़ा और अंततः मैं जीतने में सफल रही।

दूसरी तरफ, वोज्नियाकी ने जूलिया जॉर्जेस को 6-1, 6-4 से मात दी। वोज्नियाकी ने मैच के बाद कहा, जूलिया के खिलाफ मैंने कई मुश्किल मैच खेले हैं। मैं जानती थी कि यह काफी मुश्किल मैच होने वाला है। अगले दौर में उनका सामना अमेरिका की जैसिका पेगुला से होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान के ऑपोजिट होंगी कृति सैनन?

सलमान खान जिनकी हालिया रिलीज फिल्म 'दबंग 3' को फैंस ने काफी पसंद किया, ने अब अपनी अगली फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' पर काम शुरू कर दिया है। यह फिल्म ईद 2020 में रिलीज होगी। इस बीच उनकी एक और फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की घोषणा हो गई है। सलमान ने खुद इसकी जानकारी ट्विटर पर दी और बताया कि यह फिल्म वह 'किक' के प्रड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ मिलकर बना रहे हैं। ऐक्टर ने बताया कि फिल्म का डायरेक्शन फरहाद सामजी करेंगे और यह ईद 2021 में रिलीज होगी। अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि मेकर्स फिल्म के लिए ऐक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं और वह कृति सैनन को कास्ट करना चाह रहे हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस खबर को कन्फर्म नहीं किया है। बता दें, साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले ही फिल्म 'हीरोपंती' बनी थी जिससे कृति ने बॉलिवुड डेब्यू किया था।

रोहन मेहरा को डेट कर रही हैं ऐक्ट्रेस पूजा हेगड़े?

बॉलिवुड में रोजाना नए-नए अफेयर्स की चचाएं सामने आती रहती हैं। जहां कुछ सिलेब्रिटीज अपनी रिलेशनशिप्स पर खुलकर बात करते हैं, वहीं कुछ सिलेब्रिटीज इसे छिपाकर रखते हैं। हाल में ऐसे एक और अफेयर की चचाएं सामने आई हैं। यह चर्चा है तेलुगू-बॉलिवुड ऐक्ट्रेस पूजा हेगड़े और फिल्मों में हाल में आए रोहन मेहरा के बारे में। पूजा हेगड़े के एक नजदीकी सूत्र ने बताया है कि वह आजकल रोहन मेहरा को डेट कर रही हैं। रोहन मेहरा ने सैफ अली खान, राधिका आप्टे, चित्रांगदा सिंह की फिल्म 'बाजार' से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। भले इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया हो लेकिन इसमें रोहन की परफॉर्मेंस को तारीफ मिली थी। इस बीच बता दें कि रितिक रोशन के ऑपोजिट फिल्म 'मोहनजोदारो' से डेब्यू करने वाली पूजा हेगड़े पिछली बार फिल्म 'हाउसफुल 4' में दिखाई दी थीं। अब यह तो वक्त के साथ ही पता चलेगा कि पूजा और रोहन के अफेयर की चर्चाओं में कितनी सच्चाई है। अपडेट्स के लिए जुड़े रहें।

'बॉब बिस्वास' में अभिषेक बच्चन के ऑपोजिट नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह?

बीते दिनों खबर आई थी कि अभिषेक बच्चन ने शाहरुख खान के साथ एक फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म सुजॉय घोष की 'कहानी' के रहस्यमयी कैरक्टर बॉब बिस्वास पर बेस्ड है। फिल्म को लेकर अभी से फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ चुकी है और अब एक लेटेस्ट रिपोर्ट की मानें तो इसमें अभिषेक के ऑपोजिट चित्रांगदा सिंह को ऐक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया जा रहा है। एक सूत्र ने बताया, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चित्रांगदा बेहद टैलंटेड ऐक्ट्रेस हैं और हमें लगता है कि वह फिल्म के साथ जुड़ेंगी तो यह काफी अच्छा होगा। फिलहाल, इस बारे में कोई ऑफिशल कन्फर्मेशन नहीं है लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स इसकी घोषणा करेंगे। बता दें, हाल ही में अनाउंसमेंट हुआ था कि 'बॉब बिस्वास' में अभिषेक एक क्रूर हत्यारे के रोल में नजर आएंगे जबकि शाहरुख फिल्म को प्रड्यूस करेंगे। इस साइको थ्रिलर का डायरेक्शन सुजॉय की बड़ी बेटी दिया घोष कर रही हैं। फिल्म में कोलकाता को प्रमुखता से दिखाया जाएगी और इसकी शूटिंग 20 जनवरी 2020 से शुरू होगी।